शरीर का हिसाब चुक्तू करने में दुआओं का सहयोग

आज विशेष अपनी लाडली ईशू बहन का याद समाचार लेते हुए जब मैं बाबा के पास पहुंचीं तो बापदादा अति स्नेह स्वरूप में खड़े थे और हम स्नेह मिलन मनाते हुए आगे बढ़ती रही, बाद में बाबा को समाचार सुनाया तो बाबा मुस्कराते हुए बोले, ड्रामा में यह पार्ट बजाने का टर्न बच्ची का भी आ गया। बच्ची, बापदादा की तो अति स्नेही और सच्चा हीरा है। सर्व परिवार का भी दिल से स्नेह है। यज्ञ सेवा के रिकार्ड में नम्बरवन रही है। तो जैसे स्थूल हिसाब रखने में बहुत एक्यूरेट, होशियार रही है। ऐसे ही यह हिसाब भी चुक्तू करने में सहज होना है। बापदादा का बहुत-बहुत सहयोग है। और ब्राह्मण परिवार की दुआयें सदा बहुत साथ हैं। बापदादा की बाँहों का अमूल्य हार बापदादा की तरफ से गले में डालना।

उसके बाद बाबा ने साथ में दादी जी को बहुत प्यार से इमर्ज किया। मस्तक और माथे पर बहुत-बहुत प्यार से हाथ घुमाते, अपने होली हस्तों द्वारा ज़िगरी प्यार कर रहा था। दादी तो लवलीन थी। फिर कुछ समय बाद बाबा बोले, बच्ची को बाबा ने बहुत बड़ा जिम्मेवारी का ताज पहनाया है और बच्ची भी दिल से, हिम्मत और बाप की मदद से सहज निभा रही है। सबकी बहुत-बहुत दुआयें भी सदा मिलती रहती हैं। बापदादा रोज़ स्पेशल, बच्ची को स्नेह और सूक्ष्म सहयोग देते रहते हैं।

साथ में जगदीश भाई को भी बहुत-बहुत याद दी और कहा कि हिसाब चुक्तू करने का पार्ट बहुत अच्छा बजाया और बजा रहे हैं। सब मिलके खुश होते हैं। डाक्टर्स को भी अच्छा ज्ञान का पाठ पढ़ाया है। ज्ञान का मास्टर तो है ही, तो खुश होते हैं लेकिन साथ-साथ तबियत का भी ख्याल रखना ज़रूरी है।